दैनिक
प्रातः कालीन
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

# क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 346 मुरादाबाद, 17 April 2023 (Monday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

# प्रयागराज के काल्विन हॉस्पिटल में जांच कराने के दौरान माफिया अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या

## अतीक-अशरफ ( माफिया ब्रदर्स ) हुआ सुपुर्द-ए-खाक

प्रयागराज के काल्विन हॉस्पिटल में जांच कराने के दौरान माफिया अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों को पांच दिनों की रिमांड पर लाया गया था। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही थी। इसी बीच मेडिकल कॉलेज के पास दोनों की हत्या कर दी गईपुलिस ने अतीक की पत्नी शाइस्ता के कब्रिस्तान पहुंचने की बात का खंडन किया है। बुर्के में आने वाली महिलाओं की जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि इनामी शाइस्ता भी कब्रिस्तान पहुंच सकती है। अतीक अहमद के दोनों नाबालिग बेटों एहजम और अबान को कसारी-मसारी कब्रिस्तान अतीक और अशरफ को दफनाया गया अतीक अहमद के दोनों नाबालिग लड़के अपने पिता और चाचा अशरफ के सुपुर्द ए खाक में शामिल होने के लिए कब्रिस्तान पहुंचे हैं।दोनों को बाल सुधार गृह से कब्रिस्तान ले जाया गया है। साथ ही अशरफ की दोनों बेटियां भी कब्रिस्तान पहुंची हैं। पोस्टमार्टम के बाद अतीक और अशरफ के शव सीधे कब्रिस्तान पहुंचे। पहले से ही यहां अतीक और अशरफ के कई रिश्तेदार पहुंचे हैं। अब से कुछ देर बाद दोनों को दफनाया जाएगा। यहां दोनों को सुपुर्द ए खाक करने की तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई थीं। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के शवों को पोस्टमार्टम के बाद सीधे कब्रिस्तान ले जाए जा रहे हैं। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार अतीक को आठ गोलियां लगी थीं, जबकि अशरफ को पांच गोली लगने की बात सामने आई है।अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के संबंध में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच समिति का गठन किया गया है। समिति दो महीने में सरकार को रिपोर्ट देगी। समिति की अध्यक्षता इलाहाबाद एचसी के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी करेंगे, जिसमें सेवानिवृत्त आईपीसी अधिकारी सुबेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश बृजेश कुमार सोनी शामिल हैं।शूटर अरुण मौर्य के पिता दीपक कुमार अपने पिता मथुरा प्रसाद के साथ काफी पहले से पानीपत में रहकर मजदूरी का काम करते थे। गांव में उनके पास डेढ़ बीघा जमीन है जिससे गुजारा नहीं हो पाता था। पानीपत में ही अरुण का जन्म हुआ। उसके बाद भी उन्होंने कई वर्षों तक पानीपत में मजदूरी आदि का काम किया।

### अतीक -अशरफ हत्याकांड-हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति करेंगे जांच, आयोग दो माह में सरकार को देगा रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के बाद ही अधिकारियों को फील्ड में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि प्रदेश में शांति व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। इसमें सभी प्रदेश वासी सहयोग भी कर रहे हैं। आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी ना आए इसका ध्यान रखें।माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में शनिवार देर रात हत्या के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी द्वितीय की अध्यक्षता में गठित आयोग दो माह के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। आयोग में प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुबेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त न्यायधीश बृजेश कुमार सोनी को भी शामिल किया गया है।

### सीएम योगी ने खुद की मामले की मॉनिटरिंग

मालूम हो कि हत्याकांड के बाद से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था की मॉनिटरिंग शुरू कर दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पूरी रात जागकर कानून व्यवस्था की स्थिति की पल-पल की जानकारी लेते रहे। इससे पहले उन्होंने अपने आवास पर गृह विभाग, डीजीपी और डीजी स्पेशल को तलब कर कानून व्यवस्था को लेकर हाई लेवल मीटिंग की, जिसके बाद प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गयी। इसके अलावा पुलिस ने विभिन्न जिलों में फ्लैग मार्च शुरू कर दी। साथ ही प्रदेश के संवेदनशील इलाकों में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया, यही वजह रही कि प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने नहीं पायी।

### कमीशन ऑफ एन्क्वायरी एक्ट 1952 के तहत आयोग गठित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के बाद ही अधिकारियों को फील्ड में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि प्रदेश में शांति व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। इसमें सभी प्रदेश वासी सहयोग भी कर रहे हैं। आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी ना आए इसका ध्यान रखें। सीएम योगी ने कहा कि कानून के साथ कोई भी खिलवाड़ न करे। उन्होंने जनता से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान ना दें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम के निर्देश पर गृह विभाग द्वारा कमीशन ऑफ़ एन्क्वायरी एक्ट 1952 के तहत घटना की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया जा चुका है, जो दो माह के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। हमलावर पत्रकार बनकर आए थे उनके हाथ में माइक आईडी और कैमरा भी था। स्वाभाविक तौर पर पत्रकारों की चेकिंग नहीं होती है। यह चुस्त कानून व्यवस्था का ही परिणाम है कि तीनों तत्काल पकड़े गए। पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए मौके पर तीनों को दबोच लिया था। घटना के दौरान मीडिया में लाइव चल रहा था। पुलिस अगर जवाबी फायरिंग करती तो बेगुनाह मीडिया कर्मी भी मारे जाते। इस वजह से पुलिस ने संयम बरता और सिर्फ हमलावरों को पकड़ने की कार्रवाई की।

### अतीक़ पर 101 तो अशरफ़ पर 57 मुक़दमे थे दर्ज

अतीक और अशरफ का आपराधिक इतिहास बेहद क्रूर रहा है। अतीक के खिलाफ वर्ष 1979 से अब तक 101 मुकदमा दर्ज हुए जबकि अशरफ के खिलाफ 57 मुकदमे दर्ज थे। यही वजह है कि इनसे पीड़ितों और दुश्मनों की संख्या काफी थी।इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि 2005 में राजू पाल की हत्या के बाद पुलिस जब राजू पाल की बॉडी को लेकर जा रही थी तो उसने 56 किलोमीटर तक उसका पीछा किया था और मेडिकल कॉलेज में भी डेड बॉडी पर गोलियां चलाई थी। साल 1979 में 17 साल की उम्र में अतीक अहमद पर कत्ल का पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद तो उसने इतनी तेजी से अपराध की दुनिया में कदम बढ़ाए कि 1985 आते-आते वो प्रयागराज ही नहीं आसपास के जिलों में भी पैर पसारने लगा था।वैसे ही 1989 में चांद बाबा को मार डाला था।2007 में जब मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे तब अतीक के भाई अशरफ ने मदरसे से 2 लड़कियों को उठा लिया था और रेप किया था। बाद में मदरसे में छोड़ गया था।

## अतीक-अशरफ हत्याकांड: अखिलेश यादव बोले, पुलिस अभिरक्षा में हत्या, यूपी में अपराध की पराकाष्ठा दिखाने वाला

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या पर कहा कि यह यूपी में अपराध की पराकाष्ठा को दिखाता है। ऐसा लगता है कि कुछ लो जानबूझकर इस तरह के माहौल को बना रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस अभिरक्षा में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या पर कहा कि यूपी में यूपी में अपराध की पराकाष्ठा हो गई है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जब पुलिस के सुरक्षा घेरे के सरेआम गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या। इससे जनता के बीच भय का वातावरण बन रहा है, ऐसा लगता है कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं।

### सुप्रीम कोर्ट तक पुलिस को देना पड़ सकता है जवाब

माफिया अतीक अहमद की हत्या का प्रदेश पुलिस को सुप्रीम कोर्ट के सामने जवाब देना पड़ सकता है। अतीक को देवरिया जेलकांड में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गुजरात की साबरमती जेल भेजा गया था। इस आदेश का इतना प्रभाव था कि पहली बार उमेश पाल अपहरण केस में कुछ दिन पहले पेशी पर प्रयागराज लाए गए अतीक को चार घंटे तक नैनी जेल के बाहर रखने के बाद वापस साबरमती जेल रवाना कर दिया गया था। हाल ही में बी वारंट पर प्रयागराज लाने के लिए भी पुलिस ने अदालत को अतीक की पूरी सुरक्षा करने का आश्वासन दिया था। अदालत ने भी अतीक को प्रयागराज लाने के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत कई अहम दिशा-निर्देश दिए थे। इनमें पुलिस वैन में डिजिटल लॉक का इंतजाम होने, पुलिसकर्मियों के बॉडी वार्न कैमरा धारण करने समेत कई तरीके बताए गए थे। अतीक की वैन में मौजूद पुलिसकमियों के बॉडी वॉर्न कैमरा की लाइव फीड प्रयागराज के पुलिस कंट्रोल रूम को भेजी जा रही थी। सुरक्षा के दृष्टिगत 50 पुलिसकर्मियों को भेजा गया था।

### अतीक की हत्या से बेखबर रहा लखनऊ जेल में बंद उमर

राजधानी लखनऊ की जेल में बंद माफिया अतीक अहमद का बेटा मो. उमर अपने पिता और चचा (अशरफ) की हत्या से बेखबर रहा। दरअसल, जिस समय अतीक व अशरफ की हत्या हुई उस समय जेल बंद हो चुकी थी। सभी बंदी अपने बैरकों में चले गए थे। इसलिए उसे वारदात की जानकारी नहीं हो सकी। हालांकि जेल प्रशासन ने हाई सिक्योरिटी में बंद उमर की बैरक की सुरक्षा बढ़ा दी है। सुरक्षा में लगे जेलकर्मियों के साथ ही सीसीटीवी के जरिए लगातार उसकी निगरानी की जा रही है।

## 18 राउंड फायरिंग, जिस्म में 13 गोलियां, अतीक-अशरफ की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट

जिस वक्त अतीक और अरशद की हत्या हुई, वे पुलिस की कस्टडी में थे. यूपी पुलिस उनको मेडिकल चेकअप कराने के लिए मेडिकल कॉलेज ले गई थी. उनको चारों तरफ से पुलिसकर्मियों ने घेरा हुआ था. मीडियाकर्मी अशरफ-अतीक से सवाल पूछ रहे थे, तभी एक बदमाश ने अतीक की कनपटी से पिस्तौल सटाकर गोली चला दी अतीक और अशरफ का पोस्टमॉर्टम रविवार दोपहर किया गया. अतीक-अशरफ की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कई अहम बातें सामने आई हैं. उसको 8 गोलियां लगी, जिसमें एक उसकी कमर, एक छाती, एक सिर और एक गोली गर्दन में लगी है.

वहीं अशरफ को पांच गोलियां मारी गईं. इनमें से एक-एक गले में, एक बीच पीठ में, एक कलाई में, एक पेट में और एक कमर में मारी गई. दोनों भाइयों के शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया,

जिसके बाद उनको सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा.

### हिस्ट्रीशीटर निकले आरोपी

इसके बाद तीनों बदमाशों ने जय श्री राम के नारे लगाए और आत्मसमर्पण कर दिया. रविवार को इन तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद उनको 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया. जब पुलिसकर्मियों ने हत्याकांड के बाद इन तीनों को पकड़ा तो पूछताछ में हैरान करने वाले खुलासे किए. उन्होंने जुर्म कबूल करते हुए कहा कि वे बड़ा माफिया बनना चाहते हैं. आरोपी ने कहा कि कब तक छोटे-मोटे शूटर रहेंगे, बड़ा माफिया बनना है इसलिए हत्याकांड को अंजाम दिया.

इनकी पहचान सन्नी, अरुण और लवलेश के रूप में हुई है. पुलिस को जांच में पता चला है कि इन आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है. ये तीनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे.

## संपादकीय Editorial

# Transfer stock

A court decision that broke the cycle of transfer has shown how such applications can fall on deaf ears. The High Court has not only exposed the transfer file in its kind of strict decision, but has also explained to the two assistant engineers of the Electricity Board, who came in its main role, how it is possible to discharge the responsibility in the government service. Transfer is not a right or political influence that any government servant should spend three decades in the same city, but Shimla's climate and capital have created such a culture that here people are moving in the same circle or are glued to the chairs . The division bench of Justice Tarlok Singh Chauhan and Justice Virendra Singh has given a historic decision on the petition against the transfer that took place four kilometers away. These officers, who have been adept at sticking themselves in the periphery of Shimla for the past thirty decades, are finally being sent to Kinnaur and Lahaul by court orders. In spite of this decision taking a strong message and raising questions in the list of all transfers, till date the state has not adopted such a procedure so that people can work in the government structure with complete transparency.

The stock of transfer dominates the government work culture to such an extent that the governments change, but the power of the employees remains intact in the bunch of jobs. Till date, no government has said anything clearly on the subject of transfer, nor has it laid down policies and rules. It is expected that the present Sukhu government, which has come in the name of system change, will stop transfer fairs across the state and only departmental requirements and references will be decisive in their continuation. The Sukhu government has so far not indicated that it has bias in the transfer process, rather the employees, officers and bureaucrats of the previous government are retained in key positions. There have been some initial instructions on transfer in departments like education and health, due to which the work culture is getting self-confidence in discharging its responsibilities comfortably, yet rules should come out under a comprehensive, efficient and practical transfer policy. The Hon'ble court has definitely brought a case before it to its end, but in most of the transfer cases only a permanent parikrama is going on. Transfer is like a cover protecting the intention of many people. Here the chains are being created artificially and where the musical race of different positions, like some mathematical formula, is completed under mutual agreement. Obviously, if we first understand the transfer pattern around Shimla in the center of power, then it will be known that how many people should be in Pangi, Bharmour, Sirmour, Shillai, Dodra-Kwar, Kaza or Kinnaur. Transfer has to be linked to accountability, performance and work efficiency, while its basic format should be linked to distance from home and convenience of work area. For example, the minimum proximity of transfer should be at least 20 kilometers and allowances should be paid accordingly. Why capital allowance only in Shimla. If such a special allowance is given to every person according to his job at a distance of 50, 100 kilometers or more from his home, then most of the transfer barred people will be out of pocket. It is also necessary to improve the working culture of the state secretariat, which has occupied the privilege of transfer in the state. Firstly, the people established in the secretariat remain ignorant of the entire state, and secondly, the key to the transfer process remains in their room. Once the transfer rules of Shimla Secretariat are changed and the whole practice is changed to different parts of Himachal, then all the pangs will be broken and a new rise of work culture will take place from capital to remote areas.

# The magical world of world cinema: history of Danish cinema overcoming the language barrier

The Danish Film Institute was established in 1972. It started getting grants from the state for selected film projects. It began funding 20 features and 20 documentaries in the Danish language each year. In Denmark in 1903 Peter Elfelt made the first feature film called 'The Capital Execution', it was a 2-minute silent film. The film was inspired by a real incident in which a woman kills her children and is put on trial in France. The film is reminiscent of Nobel laureate Toni Morrison's novel 'Billwad' and the film 'Billwad' based on it. By the way, in 1897, Peter Elfelt had made a documentary called 'Travelling with Greenlandic Dogs'. The first movie theater opened here in 1904. Nordisk Film was founded in 1906, producing and exporting many feature films, making Denmark the film center of Europe. This solidified Asta Nelson as the first movie star. Between 1897 and 1907, Peter Elfelt made about 100 short films, which used to be a few minutes long. In this, he used to display the daily life, culture, events related to the public and the royal life of Denmark. He later became the Royal Photographer. In 1906, Viggo Larsen made The Anarchist Mother-in-Law, a four-minute silent film about a man living happily with his wife, when suddenly his mother-in-law arrives. After that it all turns into turmoil and finally ends with a very tough decision. Viggo Larsen made the 12-minute film 'The Robber's Sweetheart' in 1907. In this silent film, a gang member Jim tries to misbehave with Clara, the wife of the gang leader, but she turns him down. To take revenge, he puts the chief in a trapped car jail. The chief's wife kills him and she rescues her husband by drugging the guards, but they are caught again on their way out. She retrieves her wounded husband. They escape on horseback and take refuge in a cabin but are gunned down by the police. The film was praised for its costumes and excellent photography. Dennis Cinema and the era of silent films - Carl Dreyer emerged as the greatest director of silent films in the 1920s. His film 'The Passion of John of Ork' is an inspirational film of all time. It was okay till silent films, but Danish films had to face the language barrier as soon as the film was narrated. But light-hearted comedies continued to be made there for decades. In the 1960s and 1970s, Danish erotic films also caught the attention of the world. Not much content in English is currently available on Danish Cinema. The Danish Film Institute was established in 1972. It started getting grants from the state for selected film projects. It began funding 20 features and 20 documentaries in the Danish language each year. The 1988 film Babet's Feast by Gabriel Axel is the first Danish film to win the award for Best Foreign Film. Babet's Feast is based on a story by Denise author Karen Blixen. In 1995, four aspiring young directors – Lars von Trier, Thomas Vinterberg, Christine Levring and Søren Kragh-Jacobsen – fed up with the cheesy Hollywood films, and created the Dogma Manifesto. He made ten rules and made the film according to these rules. He believed in making films without props on location with less expenditure. Thomas Winterberg's Dogma film 'Dancer in the Dark' became very famous. post-2000 dennis cinema- Talking about this century, many very good films have come from Denmark. In 2000, director Lon Cervig's Italian for Beginners film Dogma is a comedy about a dysfunctional Danish family whose members try to speak Italian. The next year came Anders Thomas Jansen's film 'Flickering Lights' which follows the criminals of Copenhagen. How his life changes is the plot of the film. In 2010, Susanne Baier's film 'In a Better World' came. In this film of about two hours, the viewer sees a complicated family. A doctor treats patients wounded in the war in Denmark and Sudan. Also she and her son are struggling in their lives as well. The story is set in a small village in Denmark and a refugee camp in Africa. The film received an Academy Award. Two years later, in 2012, Nikolaj Ercel made A Royal Affair, a historical drama film based on real events. In this, Caroline Mathilde, a princess of England, is married to Denis Prince Christian VI. The prince is mentally unwell. The unhappy princess begins an affair with the prince's doctor. Isabel Eklof's film 'Holiday' is about a criminal who takes his girlfriend on a trip. The whole film portrays cars, clubs, alcohol and sexual tyranny. The two and a quarter hour long 2018 film marks the director's debut. Completely engrossing the viewer, the film takes a trip to the Turkish Riviera. The 2019 film 'Queen of Heart' breaks all boundaries between parent, child, mother-lover. Here the woman makes a circumcision relationship with her step son. There are also a lot of sex scenes in this film. This film makes the viewer uncomfortable. The following year Thomas Vinterberg made the film 'Another Round' which shows the drunken culture of Denmark. this mastIn Rapis, four high school teachers turn to drinking to act on a hypothesis by a Norwegian philosopher, wondering if it will make them better teachers and better people. But does it happen? The film is the fourth film from Denmark to win an Oscar. Today, Nicolai Winding Refn, Susanne Baier, Thomas Winterberg, Nicolai Arcel are very active filmmakers in Denmark. There is no doubt that we get to see creativity in Danish films, even if they are dark. The viewer never gets bored watching them. Danish films are known for their plot and artistry.

# Murder of Mafia Atiq: This is a blatant failure of the UP Police

Not being able to keep Atiq and Ashraf safe is a clear failure of the UP government, police and system. It cannot be covered in any way, nor can its responsibility be avoided. The murder of former MP Atiq Ahmed and his former MLA brother Ashraf Ahmed, who gave a bite to the media in the police custody obtained from the court, is actually a murder of law and order. No one should have any objection if it is called Jungle Raj. When there were questions only on the encounter of Atiq's son Asad, in such a situation, this incident more heinous than the Umesh Pal murder case is a big question on law, police and Yogiraj only. Gandhi's killer Godse and Mumbai attack accused Ajmal Kasab could be kept safe, punished by the court. Not being able to keep Atiq and Ashraf safe is a clear failure of the UP government, police and system. It cannot be covered in any way nor can its responsibility be avoided. Law and order was the biggest issue in both the last assembly and Lok Sabha elections in UP. The biggest contribution in the coronation of Yogi and Modi for two consecutive times was the trust of about 30 crore people of UP on the BJP in the matter of law and order. This trust has been badly shaken in those 40 seconds of last night. Prime Minister Narendra Modi represents UP only as an MP. They represent India in the world later, represent Varanasi of UP in the Parliament first. The murder of Atiq-Ashraf and the failure of the UP police to keep them in their custody has given the opposition parties engaged in Modi vs. All in the 2024 elections a big issue. Ateeq was behind the Umesh Pal murder case, who was behind the Ateeq-Ashraf murder? - Ateeq Ahmed was behind the murder of BSP MLA Raju Pal in Prayagraj city and the murder of official witness Umesh Pal in February under police protection, but his And who is behind the murder of Ashraf Ahmed in police custody? The correct, honest and quick answer to this question comes from the UP police and the Yogi government, the politics and public opinion will turn on that. There are about 11 months left for the 2024 elections, in the meantime elections are to be held in half a dozen states, from where about 150 Lok Sabha seats come.

# Communal Violence: Why Sholay flares up in the name of religion, Baba Saheb had identified three factors

The history of attack on processions or padyatras on Hindu festivals is centuries old. Dr. Ambedkar, the architect of the Constitution, in his book 'Pakistan or the Partition of India' had identified three main causes of tension in Hindu-Muslim relations. For the past few years, there have been reports of violent attacks during processions on Hindu festivals. It is well known who is doing this. But why are they doing this? The so called secular thinkers are blaming the victims of violence only. The gist of his bizarre analysis is that since the last few decades, Hindu organizations have been projecting the age-old calm and tolerant personality of Lord Shri Ram in a militant form – resulting in aggressiveness in processions related to Shri Ram-Hanumanji And by this the people of a particular community 'hurt' are being instigated for violence. It is fitting that the cultural identity associated with Shriram is in greater public discourse because of the Shriram Janmabhoomi Mukti Andolan that began in the 1980s. But the history of attack on processions or padyatras on Hindu festivals is centuries old. The architect of the Constitution, Dr. Bhimrao Ambedkar, in his book Pakistan or the Partition of India, identified three main causes of tension in Hindu-Muslim relations, in which he identified cow slaughter, music outside mosques, and religious conversions. According to Dr. Ambedkar, "...the fraternity of Islam is not a principle of universal brotherhood... Hindus are 'kafirs' to Muslims, and a 'kafir' is not worthy of respect. He is born in a low caste, whose There is no social status. A country ruled by a 'Kafir' is Dar-ul-Harb for the Muslims." Gandhi ji also tried to explain the tension between Hindu-Muslims that had been going on for centuries. He led the religious Khilafat movement (1919–24) to avert the same crisis, which cost the Hindus the Mopla massacre and their oppression in Kohat, etc. areas. Enraged by this, Gandhiji addressed Muslims as 'Bully' and Hindus as 'Coward' in the Young India magazine on May 29, 1924 and wrote - "... those whose houses were looted, they lost their belongings." Why didn't you die there while fighting to protect? Where were the relatives of the sisters who were insulted at that time? In my non-violence religion, there is no scope for running away leaving your family members unprotected in times of danger. Violence and cowardly escape If I had to choose one, I would choose violence." It is natural that when Gandhiji and Dr. Ambedkar put forward these views, then neither BJP-RSS existed in the country nor any movement was going on for the liberation of Shri Ram Janmabhoomi.The discourse is being created that the violence that broke out during Ram Navami in some areas of the country was an immediate reaction against the provocative slogans raised by the devotees taking out processions.

# सपा ने रईसुद्दीन को दिया महापौर का टिकट, कुंदरकी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर शमीमा पर जताया भरोसा

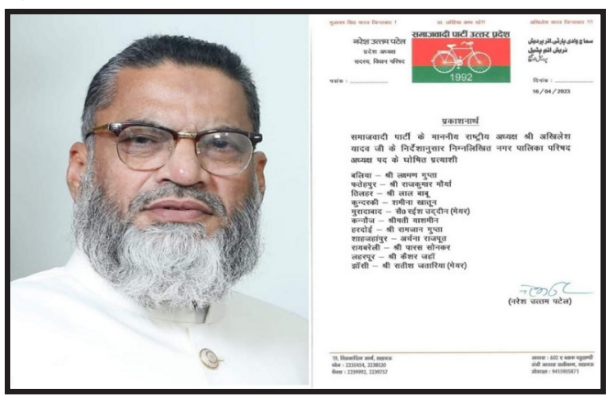

मुरादाबाद- समाजवादी पार्टी ने कई दिनों के इंतजार के बाद रविवार को मुरादाबाद नगर निगम के महापौर पद के लिए रईसुद्दीन को महापौर का टिकट दे दिया। जबकि कुंदरकी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर शमीमा खातून पर पार्टी नेतृत्व ने भरोसा जताया है। टिकट मिलने पर पार्टी के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और इनके समर्थकों ने खुशी जताई है। अब पार्टी इनके नामांकन की तैयारी में जुट गई है। दोबारा मनोनीत किए गए जिलाध्यक्ष डीपी यादव ने कहा कि सभी प्रत्याशियों को दमदारी से एकजुटता के साथ चुनाव लड़ाया और जिताया जाएगा।

# अतीक हत्याकांड के बाद मुरादाबाद मंडल में पुलिस अलर्ट, शांति बनाए रखने की अपील

मुरादाबाद- प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद मुरादाबाद में पुलिस हाई अलर्ट मोड में है। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की। महानगर में छह स्थानों पर जहां क्यूआरटी की तैनाती की गई है। वहीं दस स्थानों पर पिकेट लगाकर 24 घंटे हालात पर नजर बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। सर्किल अफसर व थाना प्रभारी पीएसी के साथ लगातार भ्रमणशील हैं। आपको बता दें कि शनिवार रात संभल में पुलिस की सतर्कता देखी गई। मुरादाबाद में रूटीन भ्रमण के बाद पुलिस अधिकारी लौट आए। रामपुर में सब कुछ सामान्य बताया गया। अमरोहा और बिजनौर में हाईवे पर पुलिस की गाड़ियां दौड़ी, लेकिन गली मोहल्ले में इसका कोई खास असर नहीं दिखा। मुरादाबाद सिविल लाइंस की कोतवाल गजेंद्र सिंह ने कहा कि रूटीन जांच की गई है। शहर में सब कुछ सामान्य है। वहीं सम्भल कार्यालय की जानकारी के अनुसार संभल में अलर्ट पर पुलिस है। शनिवार रात 12 बजे कोतवाल ओंकार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल बाजार में पैदल भ्रमण पर निकला। इस दौरान रास्ते में कारों व अन्य वाहनों को रोककर तलाशी ली गई। इसके साथ ही सड़क से गुजरते लोगों की भी चेकिंग की गई। कोतवाली पुलिस के साथ ही सीओ जितेंद्र सरगम व एसडीएम सुनील त्रिवेदी भी क्षेत्र में भ्रमण पर निकले। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। हालांकि जनपद में अभी तक शांति कायम है।

# डीपी यादव बने सपा के जिलाध्यक्ष, इकबाल को महानगर की कमान

मुरादाबाद- समाजवादी पार्टी के नेतृत्व ने सपा के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद पर पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। लगभग एक साल से खाली चल रहे इस पद पर डीपी यादव को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि इकबाल हुसैन अंसारी को महानगर अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने भरोसा जताया है। अब इन दोनों पदाधिकारियों के नेतृत्व में पार्टी जिले में निकाय चुनाव लड़ेगी। विधानसभा चुनाव में प्रदेश में सपा को उम्मीद के अनुरुप सफलता न मिलने और सरकार बनाने का सपना टूटने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को छोड़कर अन्य सभी इकाइयों को भंग कर दिया था। इससे जिले में सपा नेतृत्व विहीन चल रही थी। सभी को उम्मीद थी कि निकाय चुनाव से पहले पदाधिकारी मनोनीत हो जाएंगे।

लेकिन इसमें देरी से निराशा लग रही थी।अब प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सूची जारी कर डीपी यादव को दोबारा पद की जिम्मेदारी दे दी है। हालांकि वह इस पद के रेस में सबसे प्रमुख दावेदार माने जा रहे थे। वहीं महानगर अध्यक्ष रहे शाने अली की जगह इस बार इकबाल हुसैन अंसारी को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। जो निवर्तमान पार्षद और नगर निगम के सदन में नेता प्रतिपक्ष रहे हैं।

# BJP ने जारी की नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की सूची

| क्र0 | जिला | क्र0 | पंचायत का नाम | नाम | पिता/पति का नाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 6 | मुरादाबाद जिला | 70 | उमरी कला | श्री रिजवान अहमद | श्री वकील अहमद |
| | | 71 | पाकवाड़ा | श्री रामरक्षपाल (रिन्कू) | श्री शिवनारायण |
| | | 72 | अगवानपुर | श्री अभिनव गुप्ता | श्री शिव कुमार गुप्ता |
| | | 73 | कुन्दरकी | श्रीमती शालिनी भूषण | श्री रमन भूषण |
| | | 74 | कॉठ | श्री राजपाल प्रजापति | स्व0 श्री कल्लू सिंह |
| | | 75 | डकिया | श्री भूरी | श्री शेर मोहम्मद |
| | | 76 | महमूदपुर माफी | श्रीमती बबीता देवी | श्री श्रीचन्द सैन |
| 7 | मुरादाबाद महानगर | 77 | भोजपुर धर्मपुर | श्री फरखन्दा जयी | श्री परवेज अख्तर |
| 8 | रामपुर | 78 | शाहाबाद | श्रीमती अल्पना सक्सेना | श्री सुमित भनागर |
| | | 79 | मसवासी | श्री हरिओम मौर्य | श्री रामकिशोर |
| | | 80 | कैमरी | श्रीमती जैतून बेगम | श्री परवेज अली |
| | | 81 | सैफनी | श्री आशीष गुप्ता | श्री अशोक गुप्ता |
| | | 82 | दढ़ियाल | श्री अंकुश चौधरी | श्री अतर सिंह |
| | | 83 | नरपत नगर | श्री शाहे आलम खाँ | श्री मौ0 हसन खा |
| 9 | सम्भल | 84 | नरौली | रिक्त | – |
| | | 85 | गुन्नौर | श्रीमती खुशबू प्रजापति | श्री धर्मेन्द्र कुमार |
| | | 86 | सिरसी | श्री कौसर अब्बास | श्री तौकिर हैदर |
| | | 87 | बबराला | श्री हर्षवर्धन वार्ष्णेय | श्री अरूणकान्त |
| | | 88 | गवां | श्रीमती सर्वेश दिवाकर | श्री भगवान दास |

सतेन्द्र शिशौदिया
क्षेत्रीय अध्यक्ष
पश्चिम क्षेत्र भाजपा उ0प्र0

मुरादाबाद- भाजपा ने नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के हस्ताक्षर से जारी पत्र में बिलारी नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पर ज्योति सिंह और ठाकुरद्वारा से पवन को भाजपा ने टिकट दिया गया है। जबकि रामपुर के टांडा से मेहनाज जहां, मिलक से दीक्षा गंगवार और बिलासपुर से चित्रक मित्तल और रामपुर से मुसरेत मुजीब को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने प्रत्याशी घोषित किए है। इसके अलावा संभल के बहजोई से राजेश शंकर राजू, सम्भल से पारूल शर्मा, चंदौसी से प्रियंका शर्मा उम्मीद हैं। जबकि अमरोहा जिले के अमरोहा से शशि जैन, गजरौला से कमलेश आर्य, हसनपुर से राजपाल सैनी, धनौरा से राजेश सैनी, बछरायूं से शुभम शर्मा को उम्मीदवार घोषित किया गया है। वहीं बिजनौर नगर पालिका में स्योहारा निकाय से विनीत देवरा, चांदपुर से विकास गुप्ता, नूरपूर से एमपी सिंह, किरतपुर से देवेंद्र सिंह नजीबाबाद से नकुल अग्रवाल, नहटौर से महावीर सैनी, शेरकोट से संसार सिंह, धामपुर से लीना सिंह, नगीना से प्रहलाद कुमार कुशवाह, अफजलगढ़ से खतीजा का एलान किया गया है।

# रोडवेज बस की टक्कर से कार सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत, मां-बेटी घायल

मुरादाबाद-हरिद्वार हाईवे पर रविवार सुबह आठ बजे थाना छजलैट क्षेत्र के गांव कुचावली के पास रोडेवस की बस ने कार को रौंद दिया। हादसे में कार सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, उनकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। बस में सवार 10 यात्री भी चोटिल हुए हैं। रामपुर के मोहल्ला पुराना गंज निवासी शुभम अग्रवाल ( 38 ) पुत्र संजय कुमार पत्नी आकांक्षा ( 35 ) एवं बेटी अंशु ( एक ) के साथ अपनी कार से समारोह में शामिल होने कूरी रवाना अपनी ससुराल जा रहे थे। जैसे वह छजलैट के गांव कुचावली के पास एक ढाबा के पास पहुंचे तभी बिजनौर की ओर से आ रही रोडवज की बस ने उनकी कार को टक्कर मार दी। जिससे कार पलट गई। बस भी पेड़ से जा टकराई। सूचना पर थानाध्यक्ष दीपक मलिक पुलिस बल सहित घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें शुभम अग्रवाल की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी। उनकी पत्नी व बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंभीर रूप से घायल मां-बेटी को जिला अस्पताल भेजा गया। बस में सवार 10 यात्री चोटिल हो गए, जो आसपास के चिकित्सकों से उपचार करा कर अपने गंतव्य को रवाना हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। शुभम के ससुर अवनीश कुमार गुप्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शुभम दिल्ली में निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे।

# नामांकन को पहुंचे प्रत्याशी, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मुरादाबाद- रविवार को अवकाश के दिन भी नगर निगम और अन्य निकायों के लिए नामांकन भरने का काम चल रहा है। कलेक्ट्रेट में मुशायरा ग्राउंड में बने काउंटर पर द बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी की संयुक्त सचिव सीता सैनी एडवोकेट ने भी एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सुरेश चंद्र गुप्ता आदि की उपस्थिति में वार्ड नंबर 31 से पार्षद पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया।

उन्होंने भाजपा के टिकट की दावेदारी भी की है। वहीं अपर जिलाधिकारी व पुलिस के अधिकारियों ने नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट परिसर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन सुरेश सिंह के न्यायालय कक्ष में महापौर पद का पर्चा लेने के लिए प्रत्याशी व उनके प्रस्तावक पहुंचे। अब तक महापौर के लिए 44 नामांकन पत्र खरीदे गए हैं।सोमवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। बहुत से दावेदार राजनीतिक दलों की सूची जारी होने का इंतजार कर रहे हैं।

# रिठौरा में प्रशासनिक अधिकारियों ने किया पोलिंग बूथों का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा। आगामी नगर पंचायत चुनाव की वोटिंग 11 मई को होनी है।जिसको लेकर प्राथमिक विद्यालय खाता,रिठौरा, दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज, सुशीला नत्थू लाल जूनियर हाईस्कूल,पानी वाली कोठी पर पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। रविवार को क्षेत्राधिकारी नवाबगंज चमन सिंह चावड़ा, थानाध्यक्ष चेतराम वर्मा, चौकी प्रभारी संदीप बालियान,ने सभी पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। बूथ के आसपास रहने वाले लोगों की जानकारी ली।इस मौके पर कान्स्टेबल सुधीर कुमार दीपक भदौरिया विशेष चौधरी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा

# बेटी के कोर्ट मैरिज का विरोध करने पर पिता को पीटा, आरोपी दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी

मुरादाबाद-मझोला थानाक्षेत्र में रहने वाली एक शिक्षिका को अगवाकर युवक ने उससे जबरन कोर्ट मैरिज कर ली। युवती के पिता ने इसका विरोध किया तो आरोपी युवक ने उनके साथ मारपीट की और दो लाख रुपये की मांग की।

पीड़ित पिता ने बताया कि उसकी बेटी बेटी निजी स्कूल में शिक्षिका है। 11 अप्रैल को बेटी स्कूल जा रही थी लेकिन शाम तक वह वापस नहीं लौटी।

तलाश करने पर पता चला कि गांव के एक युवक ने उसे अपने घर में कैद कर रखा है। आरोपी ने गलत तरीके से मैरिज रजिस्ट्रेशन के फर्जी कागज तैयार करा लिए हैं।

पिता ने बताया कि 13 अप्रैल की रात करीब नौ बजे वह बंगला गांव जा रहा था। यहां आरोपी मिल गया और उसने उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने दो लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी।

इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। नागफनी थाना प्रभारी निरीक्षक नागफनी जसपाल सिंह ग्बाल ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है।

# पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित रामपुर और केशव, विकास बिजनौर जेल में शिफ्ट

मुरादाबाद-कुशांक गुप्ता और सीए श्वेताभ तिवारी हत्याकांड की साजिश रचने का मास्टर माइंड पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक को रामपुर जेल में शिफ्ट किया गया है जबकि उसके साथी केशव सरन शर्मा और विकास शर्मा को बिजनौर जेल में भेज दिया गया है। शनिवार को तीनों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दूसरी जेलों में शिफ्ट किया गया। निकाय चुनाव के मद्देनजर ऐसे आरोपियों को दूसरी जेलों में शिफ्ट किया जा रहा है। जो चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन और जेल प्रशासन की ओर से सूची तैयारी की गई है। सिविल लाइंस के दीन दयाल नगर निवासी पूर्व ब्लॉक ललित कौशिक, कोतवाली के रेती स्ट्रीट निवासी विकास शर्मा और पाकबड़ा के गिंदौडा निवासी केशव सरन शर्मा के अलावा हरथला निवासी खुशवंत सिंह उर्फ भीम सिविल लाइंस के कुशांक गुप्ता हत्याकांड और मझोला के सीए श्वेताभ तिवारी हत्याकांड में आरोपी हैं। चारों जेल में बंद हैं। जिला अधिकारी के आदेश पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, विकास शर्मा और केशव सरन शर्मा का प्रशासनिक आधार पर दूसरी जेलों में ट्रांसफर किया गया है। जेलर मृत्युंजय पांडेय ने बताया कि ललित कौशिक को रामपुर और केशव व विकास शर्मा को बिजनौर जेल में शिफ्ट किया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

# हलवारा में आगामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सभी सिविल कार्य जुलाई तक पूरे होने की संभावना: हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना/हलवारा-पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज जानकारी दी कि हलवारा में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण जुलाई 2023 तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सभी निर्माण कार्यों की निविदाएं पहले ही आवंटित की जा चुकी हैं। यह बात उन्होंने हलवारा में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कही। उनके साथ रायकोट के विधायक हाकम सिंह ठेकेदार, उपायुक्त सुरभि मलिक, लुधियाना (ग्रामीण), एसएसपी नवनीत सिंह बैंस के अलावा कई अन्य लोग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि 46.91 करोड़ रुपए के सिविल कार्य शुरू किए जा चुके हैं। कार्यों में आंतरिक सडक़ों का निर्माण, टैक्सी वे, एप्रन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, हवाई अड्डे के परिसर की लाइटिंग, टर्मिनल भवन का निर्माण, सब स्टेशन, शौचालय ब्लॉक, पार्किंग आदि भी निर्माणाधीन हैं। कैबिनेट मंत्री ने हलवारा हवाई अड्डे को मुख्यमंत्री भगवंत मान की महत्वाकांक्षी परियोजना बताते हुए कहा कि इस परियोजना के पूरा हाते ही जल्द से जल्द उड़ानें शुरू करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है,



जिससे क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा, साथ ही इससे लुधियाना और अन्य आसपास के ज़िलों में बड़े पैमाने पर उद्योगों को मदद भी मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा पूर्ण रूप से विकसित हवाई अड्डा होगा, जिस पर बड़े आकार के विमान भी उतर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस परियोजना में गहरी दिलचस्पी ले रहे हैं, उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री ने खुद भी सिविल एयर टर्मिनल हलवारा में चल रहे कार्य का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को काम में तेज़ी लाने के लिए कहा था, ताकि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आगे कहा कि पंजाब विधान सभा ने हाल ही में एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से भारतीय वायु सेना स्टेशन हलवारा, लुधियाना में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम 'शहीद करतार सिंह सराभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' रखने का अनुरोध किया है। इस मौके पर प्रमुख रूप से चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी परमज्योति अरोड़ा, पीडब्ल्यूडी हरिंदर सिंह ढिल्लों, एक्स.ई.एन. प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे।

# सदभावना मैच में जिला प्रशासन की टीम ने विधायक एकादश के दिये गए लक्ष्य को आसानी से भेदा

## पुलिस परिवार जीपीएम द्वारा रात्रि कालीन विभागीय प्रतियोगिता का शानदार समापन

ग्यासुद्दीन
क्यूँ न लिखूँ सच

जीपीएम- रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह विधायक के के ध्रुव, अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्रीमती अर्चना कंवर, युवा आयोग के सदस्य उत्तम वासुदेव और पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। 08 अप्रैल से प्रारम्भ हुए इस प्रतियोगिता मे विभिन्न विभाग रेल्वे, शिक्षा, फारेस्ट, कृषि उद्यानिकी, पंचायत, पी डब्लू डी, पुलिस और जनपद सहित 18 टीमों ने हिस्सा लिया। 07 दिन तक़ चले इस प्रतियोगिता के फाइनल मैच के पूर्व एक़ सदभावना मैच का आयोजन विधायक एकादश विरुद्ध जिला प्रशासन की टीम के बीच किया गया। दोनों टीम मे एक़ से बढ़कर एक़ खिलाड़ी शामिल रहे जहाँ विधायक एकादश मे उत्तम वासुदेव, राकेश जालान, पंकज तिवारी, मनोज गुप्ता, अजय राय, शंकर कंवर, मदन सोनी, ओमप्रकाश बंका शामिल रहे वही जिला प्रशासन की टीम मे कप्तान पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, संयुक्त कलेक्टर वीरेंद्र सिंह एस डी एम पुष्पेंद्र शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अशोक वाडेग़ांवकार तहसीलदार सोनू अग्रवाल सहित अधिकारी कर्मचारी टीम मे मौजूद रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए विधायक एकादश ने मात्र 43 रन बनाये जिसमे पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल



की शानदार हैट्रिक रही, 43 रन के छोटे से स्कोर का पीछा करते हुए बड़ी आसानी से जिला प्रशासन ने इस मैच क़ो जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ़ द मैच श्री योगेश पटेल रहे। इसके बाद प्रारम्भ हुआ प्रतियोगिता का फाइनल मैच ज़ो की परम्परा के अनुसार छत्तीसगढ़ महतारी के छायचित्र पर पुष्प अर्पित कर राज्य गीत के साथ इस मैच की शुरुआत हुई। टॉस जीतकर फाइनल मैच पुलिस ए और पुलिस बी के बीच शुरू हुआ टॉस जीतकर बी टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उनकी शुरुआत बेहतर रही पर जैसे ही एक़ दो झटके टीम क़ो लगे पुरी टीम निर्धारित दस ओवर मे सिर्फ 83 रन ही बना सकी। दूसरी पारी मे 84 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुलिस ए टीम के लिए ये टारगेट ज़्यदा बड़ा नहीं हुआ। वैसे भी मुकाबला एकतरफा सा दिखा, पर अंतिम समय मे कुछ विकेट लेकर वापसी की मौके बनाने का प्रयास बी टीम ने किया पर 05 विकेट से फाइनल मैच क़ो पुलिस विभाग ए ने जीत लिया और पहला स्थान हासिल किया। प्रथम स्थान पर रहने वाली टीम क़ो एकतीस हजार नगद व ट्रॉफी एवं दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम क़ो ग्यारह हजार नगद व ट्रॉफी प्रदान की गयी मैन ऑफ़ द मैच पुलिस ए के अभिषेक शुक्ला क़ो गया जबकि मैन ऑफ़ द सीरीज पुलिस विभाग के सुखसागर खूटे क़ो दिया गया बेस्ट बालर शिक्षा विभाग के नागेंद्र सिंग व कीपर संजय टांडिया शिक्षा विभाग रहे बेस्ट फिल्डर विवेक नागवार व बेस्ट कैच तोशेंद्र पोर्ते क़ो दिया गया तथा पूरी प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाए जाने पर ऑरेंज कैप पुलिस बी टीम के रमेश मरावी को, पूरे टूर्नामेंट मे अमेजिंग प्लेयर का ख़िताब उद्यानिकी विभाग के खिलाड़ी आशीर्वाद क़ो गया बेहतर प्रदर्शन करने के लिए, आयोजन समिति के सदस्यों और अंपायर क़ो मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया इस पुरी प्रतियोगिता मे भरपूर मेहनत करने वाले रक्षित निरीक्षक रामकुमार पैकरा व थाना प्रभारी पेंड्रा धर्म नारायण तिवारी क़ो मोमेंटो प्रदान किया गया कार्यक्रम का संचालन नागेंद्र सिंह के द्वारा किया गया साथ ही प्रतियोगिता समापन पर पुलिस अधीक्षक जीपीएम ने इस प्रतियोगिता से जुड़े हर सहयोगी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पुलिस बी टीम के कप्तान संजय सिंह के संयमित कप्तानी की सराहना की और श्री पटेल ने कहा कि भविष्य में इस तरह के खेलों के आयोजन पुलिस विभाग द्वारा किए जाते रहेंगे। इस प्रकार विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# पुष्कर योगी ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) को उत्तीर्ण कर बनाया रिकॉर्ड

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - रिठौरा।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट के परिणामों की घोषणा कर दी है। बहेड़ी तहसील के एक छोटे से गाँव के होनहार पुष्कर गंगवार ने यूजीसी नेट की परीक्षा को लगातार तीसरी बार पास करके अपने परिवार और अपने जिले का नाम रोशन कर दिया है। इस सफलता के साथ ही पुष्कर गंगवार कई युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बन गये हैं। पुष्कर और उसके परिजनों को बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा को पास कर के पुष्कर ने अपनी असिस्टेंट प्रोफेसर बनने की राह को आसान कर दिया है। देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार से पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले पुष्कर ने योग विषय से लगातार यह तीसरी बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा( नेट )की परीक्षा पास की है। पढ़ाई के साथ-साथ इनकी खेलकूद में भी काफी



रुचि रही है। इनके योगासन मे तीन वर्ल्ड रिकार्ड हैं। कई राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं। उत्तर प्रदेश के दो बार गोल्ड मेडल पदक विजेता भी है। तथा 36 नेशनल गेम्स में योगासन मे इन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। इन्हें सम्पूर्ण भगवद्गीता भी कण्ठस्थ है। तथा स्वामी रामदेव द्वारा पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पुष्कर गंगवार अपनी सफलता का श्रेय अपने माता- पिता एवं व अपने गुरुजनों को देते हैं। पुष्कर को इस सफलता पर उनके परिवार व मित्रजनों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# रिठौरा में रविवार को भी खुला नगर पंचायत कार्यालय बंटे नोडूज



क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - रिठौरा।नगर पंचायत में चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सोमवार से नामांकन पत्र दाखिल होने शुरू हो जाएंगे।जिसको लेकर चेयरमैन और सभासद पद की दौड़ में लगे प्रत्याशी नोडूज के लिए नगर पंचायत कार्यालय पहुंच रहे हैं। अधिशासी अधिकारी शिवलाल राम ने प्रत्याशियों की सौहलियत को ध्यान में रखकर रविवार को भी कार्यालय खोलकर नोडूज वितरित किए। रविवार तक 111लोगों ने नोडूज प्राप्त कर लिए। जिससे नगर पंचायत ने हजारों की बकाया धनराशि बसूली।

# युवाओं को मार्गदर्शन और संस्कार देना बेहद महत्वपूर्ण -वीरेंद्र सिंह बघेल

ग्यासुद्दीन
क्यूँ न लिखूँ सच



जीपीएम- कांग्रेस नेता एवम समाजसेवक वीरेंद्र सिंह बघेल ने कहा की आज एक ऐसे विषय पर विचार रखने जा रहा हूँ जिसका सीधा संबंध हमारे समाज से है आज का बच्चे अपराधों की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे है देश भर में अपराधियों को कानून का भय बिल्कुल नहीं है इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हमारी युवा पीढ़ी हो रही है कुछ लोग अपना काम करने के लिए ऐसे बच्चों व युवाओं को निशाना बना रहे है जो उनके काम को आसानी से अंजाम दे सके क्योंकि हमारा कानून भी अपराध की प्रवृति को ना देखकर उसकी आयु के अनुसार सजा देता है जो इनके हौसलों को बढ़ाता है7 अच्छी सलाह या द्वश्वह्लद्ब1ड्डह्लद्बश्ठ्ठ के बिना बच्चों को यही नहीं पता की क्या सही है या क्या गलत है और वो अपराध की तरफ बढ़ रहे हैं ऐसे ही असामाजिक तत्व इन बच्चों का दुरूपयोग कर रहे हैं बिना ज्यादा मेहनत के वह हर चीज को आसानी से प्राप्त करने की कोशिश करता है, इसके लिये वह कानून को धत्ता बताकर खुलेआम अपराध करता है समाज में बालापराध बहुत तेजी से बढ़ रहे है छोटे-छोटे बच्चे नशे की आदी होते जा रहे हैं बच्चों को अपराध की तरफ बढ़ाने में हमारे समाज का भी काफी योगदान रहता है हमारे समाज का संकीर्ण दृष्टिकोण जिसके अनुसार कोई बच्चा थोड़ी-सी गलती कर बैठे तो फिर उसे बुरा मान लिया जाता है, ली जाती है और बा- बात में उसे अपमानित किया जाता है, इससे भी बहुत से बच्चे अपराधी जीवन की ओर प्रेरित हो जाते हैं।

# रिठौरा में हार्डवेयर स्वामी से ऑनलाइन ठगी की कोशिश, नाकाम

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली -रिठौरा। सुरेश हार्डवेयर पर रविवार को दुकान स्वामी के भतीजे विकास कनौजिया के मोवाइल नम्बर 8218749331पर दोपहर 2बजकर 35मिनट पर मोवाइल नम्बर 9350922890से कॉल आई और कहा आपके यहां एशियन का पेंट मिल जाएगा। तो विकास ने कहा और बाल्टी की कीमत बताई 2200रूपये तो खरीददार ने ठीक है हम अपने भाई को भेजकर बाल्टी मंगवा लेंगे। आपका आनलाइन पेमेंट कर रहा हूं। और उसने फर्जी एक रूपये का मैसेज भेजा, और पूछा एक रूपया आ गया। तो दुकान स्वामी ने ध्यान न दिया और मैसेज आने की बात कह दी।बाद में उसने 2200के स्थान पर 22000 का फर्ज़ी मैसेज भेजकर कहा अरे धोखे से मेरे रूपये ज्यादा चले गए हैं।आप बापस कर दो। जागरूक दुकान स्वामी समझ चुका था।यह कोई ठग है। उसने भी बड़ी होशियारी से उसी के मैसेज को एडिट कर बकाया धनराशि बापस मैसेज से भेज दी। इतने में दुकान स्वामी आ गये।और उन्होंने फोन पर ही जमकर ठग को खरी-खोटी सुनाई।और काल कट गई।ज़रा सी जागरूकता से ठगी की घटना टल गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# दोस्त की पत्नी को मायके से ले गया युवक, रिपोर्ट

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- ससुराल से मायके आई एक महिला को उसके पति का दोस्त पति को बीमार बताकर अपने साथ ले गया। महिला के पिता ने जब बेटी की कुशलक्षेम जानने के लिए दामाद को फोन किया तो सच्चाई जानकर दोनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। पिता की ओर से आरोपी दोस्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। हरदुआगंज। जलाली क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि चार वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी बेटी का विवाह बुलंदशहर जनपद की अनूपशहर तहसील क्षेत्र के गांव निवासी युवक के साथ किया था। उसके एक डेढ़ वर्षीय बेटा भी है। 10 दिन पूर्व बेटी मायके घूमने आई थी। आरोप है कि 15 अप्रैल को दामाद का दोस्त प्रदीप निवासी अचलूबांस खंदौली जिला आगरा आया और दामाद की बीमारी का हवाला देते हुए बेटी को अपने साथ बुलाकर ले गया। शाम को जब उन्होंने दामाद को फोन कर बेटी के ससुराल पहुंचने के बारे में पूछताछ की तो दामाद ने बताया कि न तो वह बीमार है और न ही किसी को बुलाने भेजा। पत्नी भी घर नहीं पहुंची। इसके बाद ससुर और दामाद आरोपी के घर पहुंचे। वहां पत्नी और दोस्त नहीं मिले। पिता ने बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए आरोपी प्रदीप के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

# धनीपुर वार्ड नंबर 36 में नल खराब पड़े थे उन नलो की रिबोरिंग शुरू हो गई है ठाकुर राकेश कुमार सिंह

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि गांव धनीपुर में वार्ड नंबर 36 में रिबोरिंग नलो की होने लगी है इसकी शिकायत नगर आयुक्त से की गई थी 13 नलो की सूची नगर आयुक्त को सौंपी गई थी उन्होंने संज्ञान लिया धनीपुर वार्ड नंबर 36 में नलों का लगना शुरू हो गया है भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि भीषण गर्मी शुरू हो रही है पीने के पानी की गांव वालों को आवश्यकता है वार्ड नंबर 36 धनीपुर नगर निगम में करीब 3 वर्ष पहले शामिल किया तब से अब तक इन दलों को ठीक नहीं किया गया था उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के आदेश हैं कोई भी नल कोई भी गली कोई भी नाली विकास कार से वंचित नहीं रहेगी नगर निगम के अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करें जनता की समस्याओं की अनदेखी योगी जी की सरकार में बर्दाश्त नहीं की जाएगी नलों की रिबोरिंग होना शुरू हो गई है इस कार्य से जनता में खुशी का माहौल है

# पॉलिथीन बैग के अलावा प्रतिबंधित डिस्पोजल का खुलेआम धड़ल्ले से उपयोग हो रहा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-प्रयोग होने के बाद सड़कों पर फेंकी जाने के कारण नाले, नालियों को चोक हो रहे हैं। तालाबों को प्रदूषित कर रही है। पालिका का दावा है कि रोजाना इसके लिए अभियान चल रहा है। किराना, सब्जी, फल एवं जूस विक्रेता उपभोक्ताओं को खुलेआम प्रतिबंधित पॉलिथीन और डिस्पोजल में सामान रखकर दे रहे है। डेयरियों पर भी दूध संबंधी चीजे पॉलिथीन में पैक कर दी जा रही है। इतना ही नहीं रोजमर्रा में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को भी दुकानदार 50 से 75 माइक्रॉन की प्रतिबंधित पॉलिथीन में ही रखकर दे रहे

हैं। इतना ही नहीं शहर के अधिकांश ढाबो, चांट, पकौड़े और नास्ता की दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलथीन के साथ सिंगलयूज प्लास्टिक से बने दौना, चम्मच, थाली, ग्लास आदि का जमकर उपयोग किया जा रहा है। ढाबों से खाना पैक कराने पर ढाबा संचालक उपभोक्ताओं को प्रतिबंधित पॉलिथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक में ही खाना पैक कर दे रहे है। शहर से प्रतिदिन निकलती है पांच कुंलत तक प्रतिबंधित पॉलिथीन एटा। शहर से प्रतिदिन 60 टन तक कूड़ा निकलता है। इसमें 60 फीसदी यानी 36 कुंतल गीला और 40 फीसदी यानी 24 कुंतल तक सूखा कूडा निकलता है। सूखे कूड़े में ही पांच कुंतल तक केवल प्रतिबंधित पॉलिथील और डिस्पोजल निकलता है। प्लास्टिक खाने के कारण जानवरों को पेट संबंधी बीमारियां हो जाती है। पॉलिथीन और प्लास्टिक जानवरों की आंतों में फंस जाती है, जिससे वह गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। समय पर इलाज न मिलने पर उसकी मौत भी हो जाती है।- डॉ. अनिल कुमार सिंह, सीवीओ, पालिका में कर्मचारियों की कमी के कारण शहर में पॉलिथीन अभियान ठीक ढंग से नहीं चल पा रहा है। जल्द ही अभियान को शुरू कर पॉलिथीन और सिंगज यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।-सुशील गिरी, राजस्व प्रभारी, नगर पालिका एटा।

# आम लोगो से संवाद स्थापित कर भारी पुलिस बल के साथ की गई पैदल गस्त

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह द्वारा जनपद में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत, आम लोगो से संवाद स्थापित कर भारी पुलिस बल के साथ की गई पैदल गस्त। साथ ही समस्त क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक/ थाना प्रभारियों द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में की जा रही है पैदल गस्त। आज दिनांक 16.04.2023 को जनपद में शांति सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत लोगों से संवाद स्थापित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा सहित भारी पुलिस बल के साथ थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में बाजारों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त कर आम जनमानस को उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया, एवं उनके द्वारा शांति व्यवस्था हेतु ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों, प्रभारी निरीक्षकों /थाना प्रभारियों द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में लोगों से संवाद एवं समन्वय स्थापित करते हुए पैदल गश्त की जा रही है।

# युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या,एक अन्य युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-युवक ने गोली मारकर आत्महत्या कर दी। दूसरी एक अन्य युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। दोनों ही मामलों में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने एक शव का पोस्टमार्टम कराया है। थाना सकरौली के गांव बाकलपुर निवासी उमेश उर्फ मुलायम सिंह ( 22 ) पुत्र शीलेन्द्र पाल सिंह परचून की दुकान चलाते थे।

गुरूवार रात को वह कमरे में चला गया। कमरे में जाकर खुद को सीने में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। फायर की आवाज सुनकर परिवारीजन पहुंचे। युवक को स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। एसएचओ सकरौली राजेश चौहान ने बताया कि युवक ने गोली मारकर आत्महत्या की है। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। दूसरी तरफ कोतवाली देहात के गांव नगला केवल निवासी गौतम ( 30 ) को गुरूवार रात परिवारीजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घरवालों ने बताया कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिवारीजन शव को साथ ले गए।

# शव को जीटी रोड पर रखकर जाम लगाया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- ससुराल में युवक को गोली लग गई। घायल हालात में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर युवक के घरवाले भी पहुंच गए और शव को जीटी रोड पर रखकर जाम लगा दिया। इतना ही नहीं मृतक के ततेरे ससुर, सास पर हमला कर रूपये छींन लिए। नाले में गिरा दिया। नगर पुलिस युवक को फिर से मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची। पुलिस के हाथ से आक्रोशित लोग शव को छींन ले गए। हालांकि गोली किसने इस बारे में जानकारी नहीं हो सकी है। कोतवाली देहात के गांव रामपुर घनश्याम निवासी देवेन्द्र राठौर ( 25 ) पुत्र रामवीर सिंह की शादी 13 मई 2022 को अम्रति पुत्री अमर सिंह निवासी सौंहार रसूलपुर

थाना मलावन के साथ हुई थी। एक माह पहले ही बेटी को जन्म दिया था। 15 दिन पहले मायकेवाले बेटी को बुला लाएं थे। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे देवेन्द्र बाइक से ससुराल सौंहार पहुंच गया था। पत्नी घर पर अकेली थी और सभी लोग खेत पर गेहूं काट रहे थे। घर पर युवक के सीने में गोली लग गई। घर पहुंचे ससुर अमर सिंह दामाद देवेन्द्र को पुलिस की मदद से मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने देवेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर देवेन्द्र के भी घरवालें मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। शव को जीटी रोड पर रखकर जाम लगा दिया। नगर प्रभारी डॉ. सुधीर कुमार सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर शव इमरजेंसी ले जा रहे थे। इसी दौरान भीड़ एक बार फिर से आक्रोशित हो गई। पुलिस के हाथ से शव को छींन ले गए और शव को फिर से जीटी रोड पर रखकर जाम लगा दिया। आधा घंटा तक जाम की स्थिति रही। पुलिस से ग्रामीणों की नोंक-झोंक तक हो गई। ग्रामीण आरोपियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। हालांकि पुलिस के समझाने के बाद मान गए। मृतक के भाई सत्यदेव का आरोप है कि ससुराल में पत्नी को बुलाने गया था। वहीं पर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। कहासुनी के बाद दो सालों ने मिलकर गोली मारकर हत्या कर दी है। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा, सीओ सिटी विक्रांत द्विवेदी के साथ-साथ कई थानों का पुलिस फोर्स मौके पर पहंच गया है। स्थिति बेकाबू होने के बाद कोतवाली देहात, बागवाला, रिजोर सहित अन्य थानों का पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया और जिसके बाद स्थिति काबू में हुई।

# दोषी सूरज को दस साल की सजा तथा 25 हजार के अर्थदंड

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाने के साथ ही अर्थदंड से दंडित भी किया गया है। विशेष लोक अभियोजक श्रीकृष्ण यादव के अनुसार कोतवाली जलेसर के एक गांव निवासी पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि 29 मई 2020 को नाबालिग बेटी दुकान पर सामान लेने गई थी उसके बाद से वह घर नहीं लौटी। तलाश के दौरान पता चला कि सूरज पुत्र नन्ने निवासी गहला सकरौली भगा ले गया है। कई दिनों तक आरोपी बेटी को वापस कराने की बात कहते रहे। न लौटाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई

करते हुए बेटी को बरामद किया। आरोपी को जेल भेजा था। बयानों के आधार, मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई। शनिवार को दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलील पेश की। दलील सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश रेप एवं पॉस्को एक्ट द्वितीय कुमार गौरव ने आरोपी सूरज को दोषी माना। दोषी सूरज को दस साल की सजा तथा 25 हजार के अर्थदंड से दंडित भी किया है। अर्थदंड में से 80 प्रतिशत धनराशि पीड़िता को दे जाएगी।

# आकाश तिवारी बने छात्र एन एस यू आई के जिला अध्यक्ष

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- ठाकुर अनिल सोलंकी जिला कार्यवाहक जिला अध्यक्ष ने कहा की आज ( छात्र संघठन ) एन एस यू आई के जिला अध्यक्ष आकाश तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष रोहित राणा जी एन एस यू आई ने नियुक्त किया है।

आकाश तिवारी के नेतृत्व मे छात्र संघठन मजबूत होगा । पूर्व सांसद श्री मती सत्याबहन ने कहा की 2024 मे कांग्रेस की केंद्र मे सरकार बनेगी । जनता सब जानती है, युवा बेरोजगार है,नौकरी मिल नही रही है,महगाई चरम सीमा पर है। विनीत परासर बाल्मीकी शहर अध्यक्ष एवं आदर्श मिश्रा डेनी पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस ने कहा की कांग्रेस का जनाधार लगातार बड़ रहा है। नगर पालिका चुनाव मे कांग्रेस पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर पूजा अमरोही,ज्योति सोलंकी, भोले गुप्ता,मुकेश बघेल, सुभाष सागर पूर्व सभासद ,अजीत सोलंकी,जितेंद्र सिंह,संजेश यादव उर्फ़ रामू ,सोनू पंडित,चन्द्र कान्त गांधी,देवेंद्र राजपूत,मधुर कान्त कश्यप,अति शर्मा,राहुल यादव,विक्कू यादव,रौनक प्रताप सिंह,आशू ,आकास् पंडित,समर्थ मिश्रा,भानू ठाकुर,रोहित कुमार,विवेक शर्मा,रतनेश यादव,अनमोल यादव,आदि

# अपील का निस्तारण नहीं होता तब तक यथास्थित रखी जाए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-सर्वोदय आश्रम में जमीन का फर्जी तरीके से दर्ज कराए गए मामले में अपर आयुक्त ने एसडीएम के आदेश पर रोक लगा दी है। जिस स्थान पर बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं और लोगों को रोजगार देने वाली संस्था चल रही है उस स्थान पर ऐसा आदेश कैसे हो सकता है। जब तक अपील का निस्तारण नहीं होता तब तक यथास्थित रखी जाए।

अलीगढ़ मंडल के अपर आयुक्त न्यायिक की ओर से आदेश जारी किया गया है। करीब 90 वर्ष पुराने निर्णय एवं एक 93 वर्ष पुराने पंजीकृत अभिलेख सीलिंग न्यायालय के 49 वर्ष पुराने निर्णय एवं सिविल न्यायालय के निर्णय को बता बताते हुए उक्त सभी माननीय न्यायालयों एवं पुराने से भी पुराने पंजीकृत अभिलेखों की धज्जियाँ उड़ते हुए वादग्रस्त भूमि पर

अपीलार्थी के हक को समाप्त करते हुए

प्रश्नगत आदेश पारित कर दिया है। सर्वोदय आश्रम संस्था, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के तहत खादी वस्त्रत्तें का उत्पादन किया जा रहा है। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वित्त पोषित सर्वोदय इण्टर कॉलेज संचालित है। विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। मालूम हो कि एसडीएम की ओर से आदेश जारी किया गया था इसमें सर्वोदय आश्रम की जमीन को फर्जी बताया गया था। इसम मामले में पूर्व रेल राज्य मंत्री मनोज चतुर्वेदी और नरेंद्र उपाध्याय पर मुकदमा दर्ज हुआ था। अपर आयुक्त की न्यायालय की ओर से एक आदेश के बारे में जानकारी मिली है। इस आर्डर को खारिज करने के लिए अपील की जाएगी।- -आयुष चौधरी, एडीएम वित्त एवं राजस्व

# कायाकल्प से सुसज्जित विद्यालय चोरों की रडार पर

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। सरकार की मंशा ग्रामीण, किसान,मजदूरों के बच्चों को भी कान्वेंट स्कूलों जैसा माहौल मिले जिसको लेकर विद्यालयों का कायाकल्प करवा कर उन्हें आधुनिक सुविधाएं प्रदान की गईं हैं। लेकिन सफाई कर्मचारी एवं चौकीदार की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे विद्यालय असुरक्षित हैं। लगातार चोरों की रडार पर हैं। जानकारी के अनुसार विद्यालय में ताला तोड़कर चोरी का प्रयास- विथरी चैनपुर ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय फरीदापुर इनायत खां में चोरों ने रसोईघर का ताला कुंडा तोड़कर निकाल लिया परंतु इंटरलॉक लगा होने के कारण अपने मंसूबो में सफल नही हो पाए । विद्यालय की अध्यापिका फराह नर्गिस ने थाना बिथरी चैनपुर में घटना की लिखित शिकायत की है । ज्ञात रहे पूर्व में भी विद्यालय में दो बार चोरी हो चुकी है ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# अतीक अशरफ की हत्याकांड में कासगंज का शामिल था हत्यारा अरूण उर्फ कालिया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कासगंज- अतीक अशरफ की हत्याकांड में कासगंज का शामिल था हत्यारा अरूण उर्फ कालिया, सोरों थाना क्षेत्र के गांव बघेला पुख्ता का रहने वाला है अरूण , अरूण के पिता का नाम हीरालाल बताया जा रहा है, छह साल से बाहर रह रहा था अरूण उर्फ कालिया, जीआरपी थाने के पुलिस कर्मी की हत्या के बाद फरार हुआ था अरूण , 15 साल पूर्व अरूण के माता पिता हुए थे खत्म

# श्रावस्ती एसएसबी व नेपाल सशस्त्र बल के मध्य समन्वय बैठक संपन्न

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - 62 वी वाहिनी एसएसबी समवाय सुईया और नेपाल सशस्त्र बल कैम्प कटकुइयाँ ( बाँके, नेपाल ) के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन सुईया कैम्प के प्राँगण में किया गया जिसमें एसएसबी की ओर से निरीक्षक रमेश कुमार यादव जब कि,क्त्र की ओर से निरीक्षक विश्व बहादुर खबास और उपनिरीक्षक नरेंद्र हमाल नें भाग लिया। इस समन्वय बैठक के दौरान निम्न बिंदुओं पर चर्चा हुई - 1. सीमा स्तंभों की सुरक्षा एवं रख-रखाव।2. समय समय पर सीमा चौकी स्तरीय संयुक्त गश्त का आयोजन। 3. दोनों साइड में दोहरी नागरिकता रखने वाले लोगों की जानकारी साझा करना। 4.अवैध नशीले

पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण 5. जंगली जीव जंतुओं की सुरक्षा एवं लकड़ी तथा वन्य जीवों की अवैध तस्करी पर नियंत्रण 6. नकली मुद्रा पर रोक 7.अवैध हथियारों की तस्करी पर नियंत्रण 8.मानव तस्करी की रोकथाम 9. संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखना 10. 04 मई को श्रावस्ती जिले में होनें वाले नगर निकायों के चुनाव के मद्देनजर चुनाव को प्रभावित करने वाले शरारती तत्वों के आवागमन पर रोक। 11. बॉर्डर क्षेत्र में होनें वाले अपराधों से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी को साझा करना 12. समय समय पर मैत्रीखेल का आयोजन

# काव्यसंध्या का आयोजन आवास विकास कालोनी स्थित डा0 अम्बेडकर पार्क में किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

शाहजहाँपुर बीती शाम भारतरत्न डा0 बीआर अम्बेडकर के 132 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक काव्यसंध्या का आयोजन आवास विकास कालोनी स्थित डा0 अम्बेडकर पार्क में किया गया। डा0 बीआर अम्बेडकर जन कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित काव्यसंध्या का शुभारंभ युवा शायर इशरत सग़ीर ने अपनी रुबाइयों से किया- सच बोलने वालों की कहाँ चलती है। जब झूठ की भरपूर दुकाँ चलती है। युवाकवि विकास सोनी %ऋतुराज ने अपनी ग़ज़लों से समां बांध दिया - न महफ़िल में कोई फ़िलहाल मेरा। करेगा कौन इस्तिक़बाल मेरा। मुकर जाना ही वाजिब है तुम्हारा, कोई जब पूछ बैठे हाल मेरा। युवा शायर आतिश मुरादाबादी की ग़ज़लों को खूब सराहा गया। पसंद किया गया ये शेर देखें- सब पराये हैं जहाँ में मौत और माँ के सिवा। एक लेकर आई जग में एक लेकर जाएगी। वरिष्ठ गीतकार बृजेश मिश्र के चर्चित इस गीत का श्रोताओं ने भरपूर आनन्द लिया- राजनीति में शुचिता की मत बात करो, जंगल के कानून तुम्हें मालूम नहीं। गीतकार कमल मानव ने मानवीय मूल्यों के प्रति अपने वैचारिक चिंतन को इसप्रकार व्यक्त किया- बोधि वृक्ष हैं परंतु छाँह क्यों नहीं। ढूंढते हैं लोग आज राह क्यों नहीं। आक्रोश के कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने कहा - वह जो डर हैं हमारे हैं तुम्हारे हैं सभी के हैं। वो साझा डर हमारे हैं तुम्हारे हैं सभी के हैं। जिन्हें हम प्यार से कहा करते हैं बाबा साहब, वे डॉ अम्बेडकर हमारे हैं तुम्हारे हैं सभी के हैं। काव्यसंध्या की अध्यक्षता करते हुए कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान% अपनी ग़ज़ल के माध्यम से कहा-वंचितों के बन मसीहा डॉक्टर अम्बेडकर ने। छाँट करके तम दिखाई है डगर अम्बेडकर ने।इसके अतिरिक्त व्यंग्यकवि उमेश चंद्र सिंह ने काव्यपाठ कर वर्तमान सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुरेश मिश्र ने किया। पूर्व में डा0 कमल किशोर कठेरिया ने कवियों को शॉल ओढ़ाकर स्मृचिह्न प्रदान किए तथा अनूप कुमार व सियाराम दिनकर ने कवियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। इससे पूर्व डा0 अम्बेडकर के कृतत्व एवं व्यक्तित्व विषयक विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि डा0 कमल किशोर कठेरिया सहित रामनरेश यादव, मंगरेलाल, विश्राम सिंह, जेएस गौतम, डा0 भगवानदास, एसएल गौतम, सियाराम दिनकर, सुरेशपाल सिंह, जगदीश प्रसाद, महबूब इदरीसी, अनूप कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर समिति की महिला विंग की पदाधिकारियों ने श्रीमती माया देवी के नेतृत्व में पूरे पार्क में दीप्रज्जवलित कर प्रकाश किया तथा मंगलगीत गाए। इस विचार-गोष्ठी, संगीत-संध्या तथा काव्यसंध्या में नगर के तमाम गणमान्य नागरिकों ने शिरक़त की। अंत में संयोजक जगदीश चंद्रा ने आभार ज्ञापित किया।

# सार्वजनिक अवकाश दिवसों में भी खुले रहेंगे सम्बन्धित कार्यालय

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - श्रावस्ती जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश ने बताया है कि राज्य निर्वाचन अयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 हेतु जनपद में नगरीय निकायों की अदेयता एवं जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों का निर्गमन करने वाले कार्यालयों को सार्वजनिक अवकाश दिवसों में भी खोले जाने हेतु निर्देशित किया गया है, जिससे कि प्रत्याशियों को उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों को प्राप्त करने एवं नामांकन करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के समस्त तहसीलदार सहित समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत को निर्देशित किया है कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में निर्वाचन लडने वाले प्रत्याशियों को अदेयता प्रमाण-पत्र एवं जाति प्रमाण-पत्र ससमय उपलब्ध कराये जाने हेतु सार्वजनिक अवकाश दिवसों में भी सम्बन्धित कार्यालय खुला रखा जाए, जिससे कि किसी भी प्रत्याशी को अदेयता प्रमाण-पत्र एवं जाति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।

# पुलिस अधीक्षक अचानक पहुंचे जन चौपाल, आमजनता से पुलिस के कार्यो का लिया फीडबैक, नागरिकों के समस्याएं सुन किया निराकरण

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू( भा.पु.से. ) ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को क्षेत्र में नियमित रूप से जन चौपाल लगाकर लोगों की समस्या-शिकायतों का निराकरण करने, अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक तथा अवैध कार्यो में लिप्त लोगों की जानकारी हासिल करने के निर्देश दिए है। निर्देशों का पालन थाना प्रभारियों के द्वारा किया जा रहा है या नहीं उसका जायजा लेने के लिए शनिवार को थाना झिलमिली पुलिस के द्वारा ग्राम दवना में लगाए गए जन चौपाल में पुलिस अधीक्षक अचानक पहुंचे जहां उन्होंने मौजूद जनप्रतिनिधियों, नागरिकों से पुलिस के कार्यो का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पुलिस जन चौपाल में नागरिकों की समस्या-शिकायतों को सुनकर उसका निराकरण हो रहा है अथवा नहीं यह देखने आप सभी के बीच आया हूँ। जन चौपाल में पहुंचे पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू को महिलाओं, पुरूषों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिनमें से कईयों का निराकरण मौके पर किया और कुछ समस्या-शिकायतों जिनका निराकरण मौके पर नहीं हुआ उसका जल्द निराकरण कराने

के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी को कहा कि लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए तुरंत कदम उठाए जाए। चौपाल के दौरान साइबर अपराध, आनलाईन ठगी, एटीएम का पिन एवं ओटीपी न बताने, आनलाइन शापिंग, जमीन के संबंध में धोखाधड़ी जैसे अन्य गंभीर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अवैध कार्यो, नशे के कारोबार में लिप्त लोगों की जानकारी पुलिस को देने की अपील किया ताकि ऐसे लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा सके। लोगों से ग्राम स्तर पर अपराध नियंत्रण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तीकरण, अंधविश्वास आदि सामाजिक बुराइयों से बचने तथा समाज में व्याप्त नशा, जुआ व महिला के विरूद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में तत्काल थाना को सूचित करने के संबंध में बताया। ग्रामवासियों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, शराब का सेवन कर वाहन न चलाने, गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने की समझाईश दिया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई भी नशीली वस्तुए बेचता है या कोई अन्य किस्म का अपराध करता अथवा बाहरी व्यक्ति फेरीवालों की सूचना तुरंत पुलिस देने की अपील किया। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस दौरान एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, थाना प्रभारी झिलमिली नरेन्द्र सिंह, जनपद सदस्य संतोष गुप्ता, सरपंच पति ईश्वर, जनप्रतिनिधि मुरली गुप्ता, ग्राम रक्षा समिति के सदस्य, पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

# जुआं खेलते तीन गिरफ्तार

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -श्रावस्ती अंतर्गत थाना मल्हीपुर प्रभारी निरीक्षक रामपाल यादव थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती मय पुलिस टीम द्वारा मुखविर की सूचना पर अभियुक्तगण 1. अजमत अली पुत्र इन्सान निवासी भाटन देवरा थाना हरदत्त नगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती 2. साहिद पुत्र नसीर अहमद निवासी नेपाल गंज दंबोजी वार्ड न0 01 थाना जी पर्का नेपाल राष्ट्र 3. वाहिद अंसारी पुत्र नसीर अंसारी निवासी दिल्ली करावल नगर थाना जाफरा जनपद दिल्ली को हार जीत की बाजी लगाकर जुआं खेलते हुये माल फड़ /जामा तलाशी से रु0 4680 व रु0 100 की एक नेपाली नोट मय 52 ताश के पत्तों के साथ ग्राम कथरामापी से गिरफ्तार किया गया तथा अन्य दो अभियुक्त राजू पुत्र अज्ञात नि0 सहियापुर दा0 कथरामाफी थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती सोनकर पुत्र अज्ञात नि0 अज्ञात मौके से फरार हो गये। अभियुक्तगणों के विरुद्ध थाना मल्हीपुर पर मुकदमा जुआ अधिनियम मे अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की गई।

# सूरजपुर पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए चलाया अभियान

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- 144 वाहन चालकों के विरूद्ध हुई एमव्ही एक्ट की कार्यवाही, 46900 रूपये वसूल की गई समन शुल्क ,पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग ( भा.पु.से. ) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू

( भा.पु.से. ) के निर्देश के बाद जिले के थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया और शनिवार को 1500 लोगों का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को रोकवाकर वाहन चालक शराब का सेवन किए है या नहीं उसकी जांच ब्रेथ एनालाइजर से किया, हालाकि कोई भी वाहन चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया। हादसों को रोकने की दिशा में पुलिस अधिकारियों के द्वारा किए गए इस चेकिंग अभियान में 144 वाहन चालक जो बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीटबेल्ड, दो पहिया वाहन में तीन सवारी व बिना दस्तावेज एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही कर 46900 रूपये का समन शूल्क अर्जित कर शासन के कोष में जमा किया है। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की समझाईश भी दिया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी चेकिंग की गई।

# एआईजी यातायात ने एनएच 43 के ब्लैक स्पॉट का किया निरीक्षण, सुरक्षात्मक उपाए किए जाने के दिए निर्देश

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य एवं जिला स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा उपायों की स्थिति के आकस्मिक निरीक्षण के क्रम में शनिवार को जिला परिक्षेत्र में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी ( सड़क सुरक्षा ) छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं एआईजी ( यातायात ) श्री संजय शर्मा के द्वारा अम्बिकापुर से मनेन्द्रगढ़ मार्ग नेशनल हाईवे-43 के ब्लैक स्पॉट का बारीकी से निरीक्षण कर सुधारात्मक उपायों के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने जिले को प्राप्त हाईवे पेट्रोलिंग वाहन एवं उसके उपकरणों को चेक किया तथा यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय व उनकी टीम को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार करते हुए बेहतर उपचार के लिए निकटतम अस्पताल ले जाने के निर्देश दिए। इन ब्लैक स्पॉट पर किए

जाए सुरक्षात्मक उपाए। एआईजी श्री संजय शर्मा के द्वारा एनएच 43 छत्तीसगढ़ ढ़ाबा के पास स्पष्ट दृश्यता ( क्लीयर विजिविलिटी ) हेतु मेन मार्ग से मिलने वाले सहायक मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था एवं दुर्घटनाजन्य खण्ड का बोर्ड लगवाने, मार्ग पर लगे रंबल स्ट्रीप का सुधार, टैऊफिक कामिंग के उपाय, रोड मार्किंग, जेब्रा क्रासिंग का सुधार करने तथा नगर के कालेज मोड़ पर कालेज गेट के सामने वाहन खड़ा न करने का बोर्ड लगवाने, मोड़ के पास रोड़ क्रासिंग को पूर्णतः बंद कराने तथा मनेन्द्रगढ़-अम्बिकापुर मार्ग पर श्रृंगारिका स्टोर के पास रंबल स्ट्रीप लगवाने के निर्देश दिए।

# पत्नी का हत्यारे पति को थाना प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- दिनांक 15.04.2023 को ग्राम केदारपुर निवासी मंगल साय ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका चाचा का लड़का बुधवार साय जो इसके घर के बगल में मिट्टी का नया मकान बना रहा है, पहली पत्नी की मृत्यु होने के बाद दूसरी पत्नी समुन्द्री बाई को बनाया था उसी के साथ मकान बना रहा था, 14 अप्रैल के शाम को बुधवार साय अपनी पत्नी से किसी

बात को लेकर झगड़ा कर मारपीट कर रहा था जो बचाने के लिए चिल्लाई, यह और इसका छोटा भाई मारपीट करते देखे किन्तु डर से नहीं गए। कुछ देर बाद बुधवार साय आकर बताया कि पत्नी समुन्द्री बाई को मिट्टी लमरने के लिए बोला तो वह मना कर दी जिस कारण डंडे से पत्नी को मारकर हत्या कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना प्रेमनगर में अपराध क्रमांक 37/23 धारा 302 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू( भा.पु.से. ) ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना प्रेमनगर की पुलिस ने दबिश देकर आरोपी बुधवार साय पिता सुखलाल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम केदारपुर, थाना प्रेमनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने पत्नी का हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले का आरोपी पूर्व में भी मारपीट व हत्या के मामले गिरफ्तार हुआ था जिसे सजा भी मिली थी और कुछ समय पहले ही वह जेल से बाहर आया था। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर रूपेश कुंतल, एएसआई अश्विनी पाण्डेय, प्रधान आरक्षक परमेश्वर पैंकरा, आरक्षक बेचूराम सोलंकी, चंद्रकांत बिजनेर, महिला आरक्षक सिंधू कुजूर, सैनिक तुफान सिंह व उमेश चौबे सक्रिय रहे।

# Dream come true of Sachin Tendulkar's son Arjun Tendulkar, made his IPL debut for Mumbai Indians

Arjun was bought by Mumbai Indians for the first time in 2021 for Rs 20 lakhs. After that in 2022, he was included in the team for Rs 25 lakh. He got a chance after sitting on the bench for two consecutive seasons. Arjun Tendulkar, son of legendary batsman Sachin Tendulkar, has been included in the playing-11 by Mumbai Indians for the first time. Arjun got a chance to play in the 22nd match of the 16th season of IPL. Arjun was bought by Mumbai Indians for the first time in 2021 for Rs 20 lakhs. After that in 2022, he was included in the team for Rs 25 lakh. He got his chance after sitting on the bench for two consecutive seasons. Suryakumar Yadav, the acting captain of Mumbai Indians, won the toss and decided to bowl first against Kolkata. Regular captain Rohit Sharma could not play in this match due to stomach problem. Arjun was continuously seen in the training session with father Sachin Tendulkar for the last few days. He bowls fast with the left arm. Arjun has already played in first-class and List A matches. Now his dream of playing in the IPL has come true. Career of Arjun Tendulkar - Arjun made his T20 debut for Mumbai for the first time in 2021 against Haryana. He then made his List A debut for Goa in November 2022 and the Ranji Trophy against Rajasthan the following month. Arjun has taken 12 wickets besides scoring 223 runs in seven first-class matches. At the same time, he has eight wickets in seven List A matches and 12 wickets in nine T20 matches. Playing 11 of both teams- Kolkata Knight Riders: Rahmanullah Gurbaz (wicketkeeper), Venkatesh Iyer, N Jagadeesan, Nitish Rana (captain), Rinku Singh, Andre Russell, Sunil Narine, Shardul Thakur, Umesh Yadav, Lockie Ferguson, Varun Chakraborty. Substitutes: Mandeep Singh, Suyash Sharma, Anukul Roy, Vaibhav Arora, David Wiese. Mumbai Indians: Ishan Kishan (wk), Cameron Green, Tilak Verma, Suryakumar Yadav (c), Tim David, Nehal Wadhera, Arjun Tendulkar, Hrithik Shokeen, Piyush Chawla, Dwayne Yansen, Riley Meredith. Substitutes: Rohit Sharma, Ramandeep Singh, Arshad Khan, Vishnu Vinod, Kumar Kartikeya.

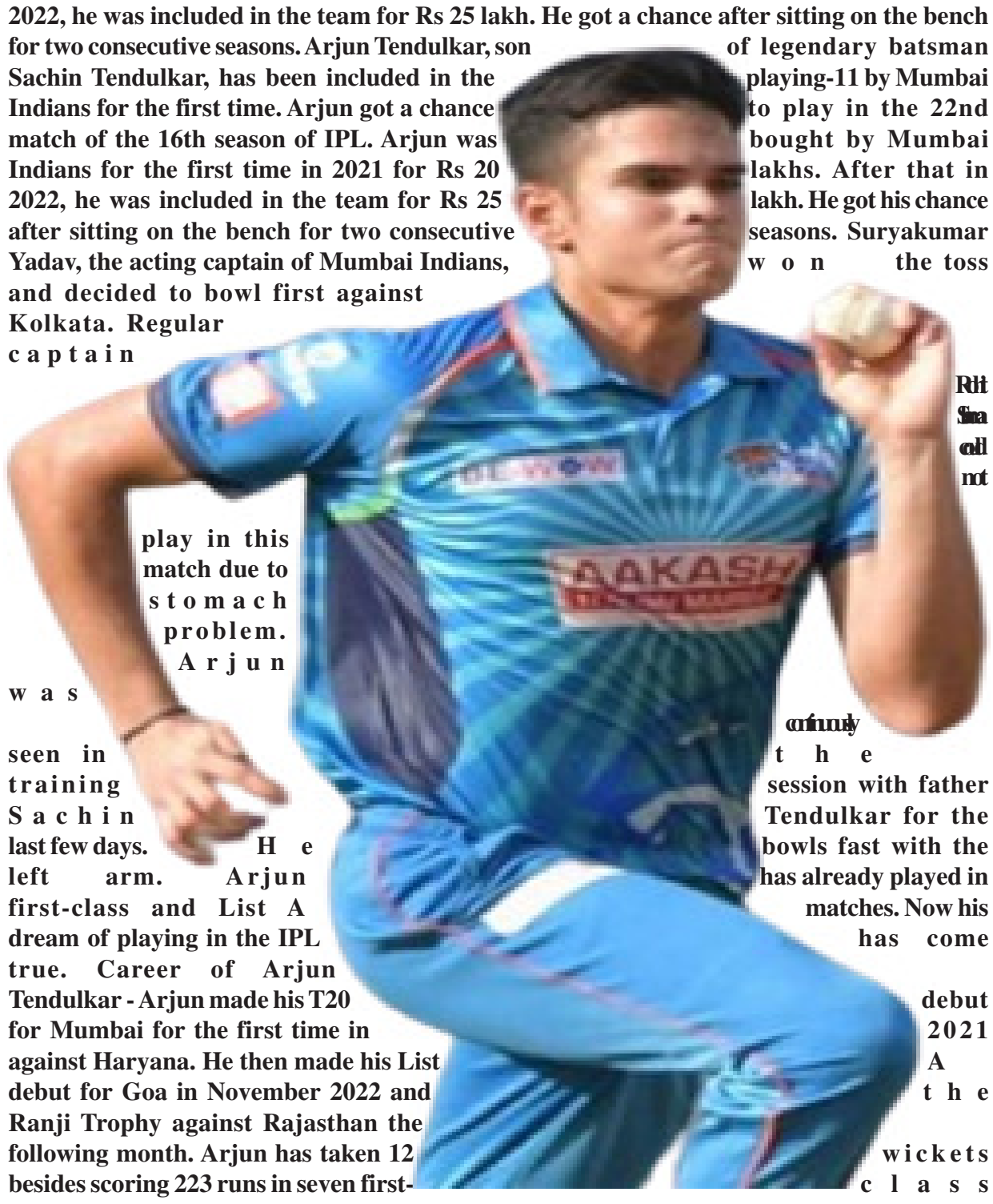




# Surya is captaining instead of Rohit Sharma against KKR, why was Hitman out of playing 11?

The 22nd match of IPL 2023 is being played between Mumbai Indians and Kolkata Knight Riders at the Wankhede Stadium in Mumbai. During the toss process that took place before this match, the regular captain of Mumbai Indians Rohit Sharma did not come on the field.

The team's middle order batsman Suryakumar Yadav was seen in his place. Please tell that Suryakumar Yadav is captaining against KKR in place of Rohit Sharma. In this match, Mumbai won the toss and decided to bowl first. During this, Surya said that the pitch is looking very good. We'd love to chase it down here. There has been a change in our team today. Rohit has got some stomach problem. That is why he is not playing today. MI vs KKR: Playing-11 of both the teams as follows- Mumbai: Cameron Green, Ishan Kishan, Tilak Verma, Suryakumar Yadav, Nehal Wadhera, Tim David, Arjun Tendulkar, Riley Meredith, Hrithik Shokeen, Piyush Chawla, Duane JansonMumbai Impact Players Subs: Rohit Sharma, Vishnu Vinod, Arshad Khan Kumar Kartikeya, Ramandeep Singh Kolkata: Venkatesh Iyer, N Jagadishan, Rahmanullah Gurbaz (wk), Sunil Narine, Nitish Rana (c), Rinku Singh, Andre Russell, Shardul Thakur, Lockie Ferguson, Umesh Yadav, , Varun Chakraborty

# Mumbai Indians will wear women's jersey in Mayanagari, Wankhede Stadium will be filled with 19 thousand girls

The 22nd match of IPL 2023 will be played between Mumbai Indians and Kolkata Knight Riders today i.e. on 16 April at the Wankhede Stadium in Mumbai. The start of this match will be at 3:30. Mumbai Indians have not had a good start in IPL 2023. Mumbai had won their last match. At the same time, Kolkata Knight Riders had to face defeat to Sunrisers Hyderabad in the last match. In such a situation, Rohit Sharma will be seen in his victorious chariot and Nitish Rana in search of victory. This match is going to be very special, because in this match Mumbai Indians will be seen in new jersey. This jersey belongs to the Mumbai team of the Women's Premier League, wearing which Mumbai is going to dazzle in its home




ground. A total of 19 thousand girls will reach the stadium to watch this match. Let's know why all this has been kept so special? Actually, Mumbai Indians will be seen wearing women's jersey in their home ground against Kolkata Knight Riders (MI vs KKR). This is because this day is very special, so Mumbai Indians want to celebrate this day in a special way. This information was given by the franchisee by sharing a video on Twitter. He told that Mumbai Indians are wearing this special jersey for 'ESA Day'. He told that our players will wear the jersey of Mumbai Indians women's team of Women's Premier League and inspire girls and children. Let us tell you that Mumbai Indians team will be seen celebrating "ESA Day". ESA Day means Education and Sports for All. It is run by Reliance Foundation. During this, more than 19,000 girls from 36 NGOs will be seen reaching the stadium to watch the MI vs KKR match.

# 'It seems to be Rana Sahab's time', Bhajji gave an amazing statement about Nitish Rana before the match against MI

The 22nd match of IPL 2023 is to be played between Kolkata Knight Riders and Mumbai Indians (MI vs KKR) at Wankhede Stadium in Mumbai today i.e. on 16th April. Let us tell you that the KKR team has won 2 matches and lost 2 matches while playing 4 matches so far. The Rinku Singh-led KKR team won a resounding victory against Gujarat Titans on the back of Rinku Singh's miracle innings. But in the last match, KKR had to face defeat against Punjab Kings. Captain Nitish Rana and Rinku both played amazing half-century innings against Sunrisers Hyderabad, but these batsmen failed to win the team. In this episode, former player of KKR team and current commentator Harbhajan Singh has read ballads in praise of Nitish Rana. Let us know what Bhajji said about Rana? Actually, before the 22nd match of IPL 2023 against Mumbai Indians, former Indian player and commentator




Harbhajan Singh praised KKR captain Nitish Rana. He said that Nitish impressed everyone by leading KKR in the last two matches. His timing has been perfect. He attacked spinners and fast bowlers with ease. He is batting well and is progressing brilliantly in the captaincy as well. Along with this, Harbhajan Singh said that KKR had lost 3 wickets in the powerplay in the last match. After that captain Nitish Rana handled the team's innings and counter-attacked Umran Malik. It shows that he bats in a different way. That innings was an incredible innings from the captain. Please tell that in the sixth over of KKR's innings against Sunrisers Hyderabad, Umran Malik came to bowl and in the very first over, Umran proved to be very expensive. He gave a total of 6 boundaries in this over. Nitish Rana shocked Umran Malik by hitting a four on the first ball, a six on the second, a four on the third, a four on the fourth and fifth and a six on the last ball. Hyderabad beat KKR by 23 runs In the match, KKR team captain Nitish Rana won the toss and decided to bowl first. This decision did not prove right for him. Batting first, Harry Brook played an unbeaten century for the Sunrisers Hyderabad team, facing 55 balls, which included a total of 12 fours and 3 sixes. Apart from him, Markram also played a half-century innings. At the same time, Abhishek Sharma scored 32 runs. On the basis of these batsmen, Hyderabad scored 228 runs at the loss of 4 wickets. In response, the KKR team was bundled out for 205 runs and Sunrisers Hyderabad won the match by 23 runs.

# Superstar Ajit Kumar did something like this, the fans became fans of generosity

**Superstar Ajit Kumar is in discussion about a noble cause apart from his film. The actor recently helped a woman and her child at the airport, which is being appreciated a lot. Tamil cinema's famous actor Ajith Kumar has once again won the hearts of his fans due to his cheerfulness. He is being discussed fiercely on social media. Actually, Ajith Kumar helped a married woman at London airport who was traveling alone with her child. Ajit not only**

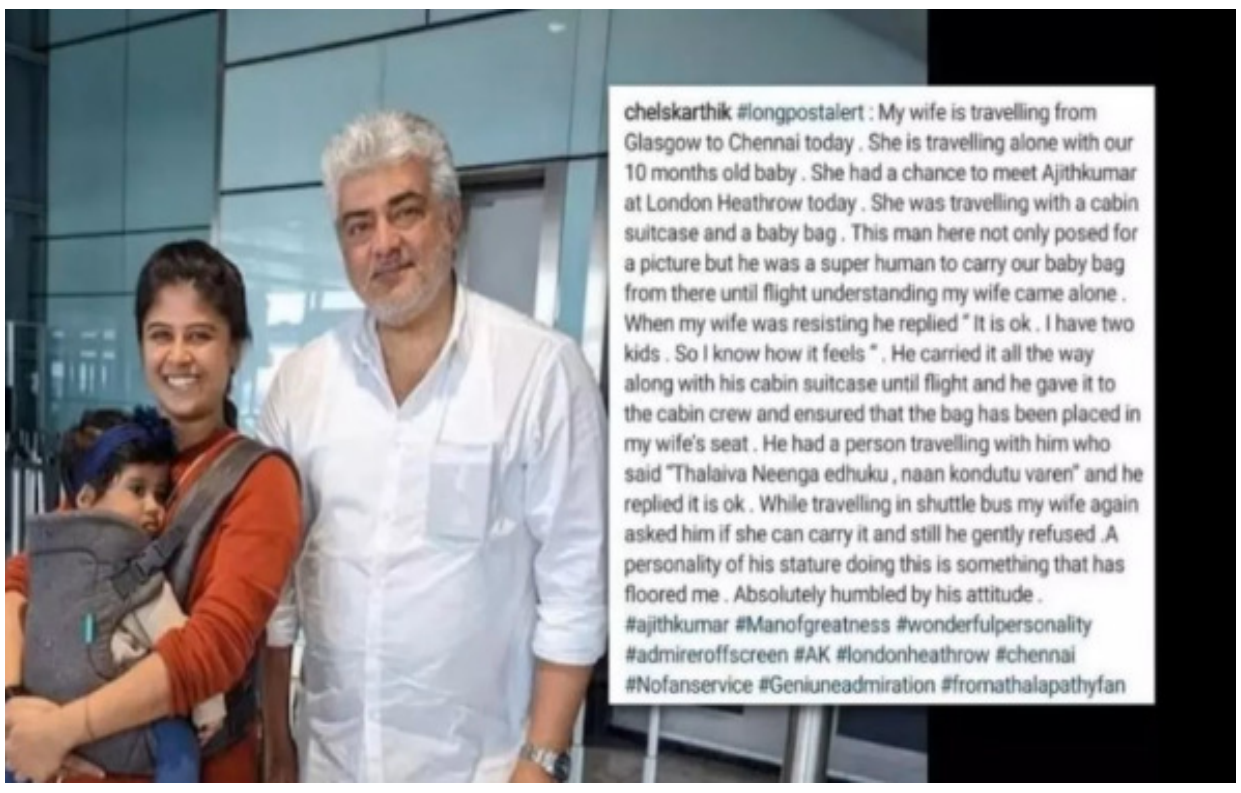


**picked up the bags of the woman but also posed for photographs with her. Ajit Kumar has come in the limelight due to a recent post. As soon as it goes viral, his fans are praising him fiercely. In fact, a social media user has revealed that his wife had a meeting with Ajith and was impressed by his simple nature. The man revealed that his wife was traveling from London to Chennai with their 10-month-old baby when she met the actor at the London airport. Not only this, Ajith helped him and carried the bag and made sure that he reached the cabin comfortably. The actor became the talk of the town as soon as this post went viral. People are not tired of praising him. In the post, the man wrote that Ajit saw his wife having trouble carrying her belongings, so he extended a helping hand and took her bag. In the post, he revealed that Ajith Kumar also clicked a photo with his wife and made sure that their bags were kept properly in the flight cabin, while also asking the cabin crew to help them. The person further wrote that when my wife stopped him (Ajit Kumar) while helping, he replied, 'No problem. I also have two children. So I know how it feels. He carried the suitcase till the flight and gave it to the cabin crew. He even made sure that the luggage was kept near my wife's seat.**

# Bobby supported the petition giving legal recognition to gay marriage, said this in the application

**Bobby Darling, in his application, has urged the apex court to intervene in the matter and allow him to support same-sex marriage. Bobby Darling is a well-known name in the world of films and TV. He has created an identity of his own. Bobby made his debut in the year 1999 with the film 'Taal'. She appeared on TV from 'Kasautii Zindagii Kay' to 'Bigg Boss'. Sex changer Bobby Darling has filed an intervention application in the Supreme Court in support of the plea to legalize same-sex marriage. What did Bolly Darling say- In his application, Bobby Darling has urged the apex court to intervene in the matter and allow him to support same-sex marriage.**

**He says that every individual has such free will, which is duly recognized by various judgments. Hearing will be held on this day Transgender actress's application to legalize same-sex marriage will be heard by a five-judge constitution bench of the Supreme Court from April 18. Bobby Darling, in the application filed through advocate Meera Kaur, said same-sex marriage may be allowed as per the need of the hour to bring financial stability, recognition by the society and for other purposes like alimony, maintenance etc., so that such couples can live with dignity and protection of law after marriage.**

# Pakistani actress Sajal Ali remembers Sridevi, wants to work in Bollywood films again

**Pakistani actress Sajal Ali, who made her Bollywood debut with the film 'Mom' opposite late actress Sridevi, has come into limelight for her latest statement. The actress has once again expressed her desire to work in Bollywood films. Sajal has said that she wonders when the boundaries separating artistes will disappear. Sajal Ali has said, 'I would love to work in India again but I don't know when. Let's see what the future holds for me? I've been talking about this for years. I don't think politics should come between art and artist and I hope this wall between India and Pakistan ends. Sajal Ali may be away from Bollywood films, but she will soon join Indian filmmaker Shekhar Kapur and His first international film 'What's Love Got To Do With It?' opposite actress Shabana Azmi. Will be seen in The film will explore cross-cultural conflicts through the concept of arranged marriage. Talking about the film, she said that it was a 'dream come true moment' for her. In the same interview, the actress talked about her bond with Sridevi and working in the film 'Mom'. Sajal said, 'I was very close to Sridevi ji. She unfortunately left us very soon. I have never really spoken about his and my relationship but I have to say that it is really unfortunate that we actors get caught up in the tension between the two countries. When I worked in Bollywood, I got a lot of love and respect, which is close to my heart till date. Remembering Sridevi, Sajal further said, 'She was like my mother. We didn't just have a work relationship, it was much more than that. When I was shooting for Mom, she came to India and met my mother. My mother left us before the release of the film and then after a few months Sridevi really left us. It was a very emotional bond. We used to talk on phone for hours where she used to guide me like her own daughter. I really miss her.**

# This episode of 'Ramayana' made a world record, 'Laxman' shared the video and said thanks

**This serial was re-telecasted in the Corona epidemic, in which the episodes of this serial achieved record-breaking TRPs. Now another record has been registered in the name of this serial. So let's know what is the matter after all. On hearing the name of 'Ramayana', Ramanand Sagar's 'Ramayana' comes in front of the eyes. This show is the beauty of the 80s, when the mega serial Ramayana was telecasted every Sunday on TV. Silence used to spread on the streets on this day. The characters of the serial used to be discussed in almost every house. This serial was re-telecasted in the Corona epidemic, in which the episodes of this serial achieved record-breaking TRPs. Now another record has been registered in the name of this serial. So let's know what is the matter after all. Sunil shared the video on social media- Recently, Sunil Lahiri, who plays Laxman, shared a video on his social media handle reminding the audience that the episode was telecast three years back on April 16, 2020. In which the battle of Laxman and Meghnad was shown. Viewers loved the episode so much that it garnered 77.7 million viewership. Please tell that it was seen by 7.7 crore people then, which was a world record. The Laxman-Meghnad war episode created a world record. Laxman i.e. Sunil of Ramayana shared the video on his Instagram handle and thanked the audience and wrote in the caption, 'On this day, April 16, 2020, the Laxman-Meghnad war of Ramayana The episode created a world record, which is a historical milestone in itself. Thank you all for the 77.7 million viewership, it's all possible because of you guys. Along with this, he also shared some glimpses of the battle scene between Laxman and Meghnad. 'The show got the love of the audience- Let us tell you that in the Ramayana serial, Sunil had enthralled the audience with the character of Laxman. On the other hand, Vijay Arora was very good in the role of Meghnad. The Ramayana show ended, but it immortalized the characters played by the artist for ages. The audience is always very keen to see these characters in their roles.**